U.G. 3rd Semester Examination - 2020

SANSKRIT

[PROGRAMME]

Course Code : SANP-CC-T-3

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable. Illustrate the answers wherever necessary.

1. Answer any **ten** of the following questions:

2×10=20

নিম্নলিখিত যে-কোনো **দশটি** প্রশ্নের উত্তর লেখ ঃ

- a) What is 'नान्दी'? Which type of 'नान्दी' is found in 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'? नान्দी कि? 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'-এ কোন্ শ্রেণীর নান্দী পরিলক্ষিত হয়?
- b) What is meant by 'भरतवाक्यम्'? 'भरतवाक्यम्' वलতে कि त्वाक्षाয़?
- c) ''दुःखंन्यासस्य रक्षणम्''—Who said this and why? ''दुःखंन्यासस्य रक्षणम्''—কে কেন এই উক্তিটি করেছেন?

- d) Write the 'भरतवाक्यम्' of 'स्वप्नवासवदत्तम्'.
 'स्वप्नवासवदत्तम्'-এর ভরতবাক্যটি লেখ।
- e) What is 'नेपथ्यम्' according to विश्वनाथः? আচাৰ্য বিশ্বনাথ মতে 'नेपथ्यम्' কি?
- f) Who is 'सूत्रधारः' according to विश्वनाथः?
 আচার্য বিশ্বনাথ মতে 'सूत्रधारः' কে?
- g) Who is यौगन्धरायणः? In which act he is found in the drama 'स्वप्नवासवदत्तम्'? यौगन्धरायणः (क? 'स्वप्नवासवदत्तम्'-এत (कान् आरक्ष)

তাকে দেখা যায়?

h) ''न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्''—Who said this and when?

''न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्''—কে কখন এই উক্তিটি করেন?

- i) ''आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्''—
 Who was the speaker? When it was uttered?
 ''आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्''— तर्का (क? কোন পরিপ্রেক্ষিতে বক্তা উক্তিটি করেন?
- j) Who is 'वैखानस' in the drama 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'?
 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'-এ 'वैखानस' (क?)

[Turn Over]

438/Sans.

- k) What is the meaning of 'कुलपतिः'? Who was कुलपतिः in the drama 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'? कुलपतिः শব্দের অর্থ কি? 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'-নাটকে 'कुलपतिः' কে ছিলেন?
- "आश्रममृगोऽयं न हन्तव्यो न हन्तव्यः"—Who said this to whom? In which context it was said?
 "आश्रममृगोऽयं न हन्तव्यो न हन्तव्यः"—কে কাকে কোন্ প্রসঙ্গে এই উক্তিটি করেছেন?
- m) "अस्यां मे महती स्वता"—Who said this? Why did the speaker make this remark?

''अस्यां मे महती स्वता''----এই উক্তিটির বক্তা কে? কেন বক্তা এইরূপ উক্তি করেছেন?

n) Who composed 'स्वप्नवासवदत्तम्'? Write the name of another drama of him.

'स्वप्नवासवदत्तम्' কে রচনা করেন? তাঁর অপর একটি নাটকের নাম লেখ।

 o) What is the name of the 'वीणा' of 'उदयनः'? Mention it's special features.
 উদয়নের বীণার নাম কি? এই বীণার বৈশিষ্ট্য উল্লেখ কর। 2. Answer any **four** of the following questions: $5 \times 4 = 20$

নিম্নলিখিত যে-কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর লেখ ঃ

- a) Translate into Bengali or English (any **one**): সংস্কৃত থেকে বাংলা অথবা ইংরাজিতে অনুবাদ কর (যে-কোনো **একটি**) ঃ
 - i) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः
 पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।
 हमैंरधविलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा
 पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति वहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति।।
 - ii) कस्यार्थः कलशेन को मृगायते वासो यथानिश्चितम् दीक्षां पारितवान् किमिच्छति पुनर्देयं गुरोर्यद्भवेत्।
 आत्मानुग्रहमिच्छतीह नृपजा धर्म्माभिरामप्रिया यद्यस्तीह समीप्सितं वदतु तत् कस्याद्य किं दीयताम्।।
- b) Explain in Sanskrit or Bengali: (any one)
 সংস্কৃত অথবা বাংলায় ব্যাখ্যা কর (যে-কোনো একটি) :
 - i) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
 ध्रुवं स नीलो त्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्रुमृषिर्व्यवस्यति।।
 - ii) सविश्रमो ह्ययं भारः प्रसक्तस्तस्य तु श्रमः।तस्मिन् सर्वमधीनं हि यत्राधीनो नराधिपः।।

438/Sans.

c) Describe in short the Bee-episode in the drama 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'। What is the dramatic purpose of the introduction of this episode?

> 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' নাটকের ভ্রমর কাহিনী সংক্ষেপে বর্ণনা কর। এ বৃত্তান্ত অবতারণার নাটকীয় প্রয়োজন বিশ্লেষণ কর।

- d) Who was 'यौगन्धरायणः'? What role did he play in the Act I of the drama 'स्वप्नवासवदत्तम्'? 'यौगन्धरायणः' কে? 'स्वप्नवासवदत्तम्'- নাটকের প্রথম অক্ষে তাঁর ভূমিকা কি ছিল?
- e) Write short note on (any **two**): টীকা লেখ (যে-কোনো **দুটি**) ঃ नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधारः, नटी।
- f) Write a short note on विशाखदत्तः and his work.
 বিশাখদত্ত এবং তাঁর রচনা সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা কর।
- 3. Answer any two questions:
 10×2=20

 যে-কোনো দৃটি প্রশ্নের উত্তর লেখ ঃ
 - a) Discuss the significance of introduction of the ब्रह्मचारी in the Act I of the 'स्वप्नवासवदत्तम्'।
 'स्वप्नवासवदत्तम्' নাটকের প্রথম অক্ষে ব্রহ্মচারী বৃত্তান্তের নাটকীয় তাৎপর্য আলোচনা কর।

 b) Explain the dramatic significance of the Elephant Episode in the 1st act of 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'।

> 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' নাটকের প্রথম অক্ষে হস্তিবৃত্তান্তের নাটকীয় তাৎপর্য বিশ্লেষণ কর।

c) Discuss in brief the origin and development of Sanskrit Drama.

সংস্কৃত নাটকের উদ্ভব ও ক্রমবিকাশ সংক্ষেপে আলোচনা কর।

d) Give a note on भवभूतिः and his works. নাট্যকার ভবভূতি এবং তাঁর নাট্যকৃতি বিস্তৃত আলোচনা কর।

438/Sans.

438/Sans.